आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 342 | उज्जैन, रविवार 02 नवम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

भारतीय संस्कृति के तेजस्वी प्रतीक हैं महाकवि कालिदास-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महाकवि कालिदास की रचनाएं भारतीय संस्कृति और साहित्य की हैं अनमोल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कालिदास समारोह हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, साहित्य और परम्पराओं के विविध अलंकारों में से एक सबसे उज्ज्वल और प्रदीप्तमान पुंज है। यह आज भी भारतीय ज्ञान, कला और संवेदना की गहराइयों का उदात्त प्रकटीकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास की लेखनी में न केवल शब्दों का वैभव है, बल्कि उसमें भारतीय आत्मा की झलक भी है। कालिदास समारोह हमारे गौरवशाली सांस्कृतिक इतिहास का उत्सव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास

भारतीय साहित्य के ऐसे अमर हस्ताक्षर हैं, जिनकी कृतियां संस्कृत साहित्य के लिए अमूल्य निधि होने के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना की संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने अपनी कल्पनाशीलता, गहन संवेदनशीलता और अद्भुत लेखन कौशल से भारतीय कथा-कला और काव्य साहित्य को धन्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उज्जैन में आयोजित 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का वर्चुअल शुभारंभ कर संबोधित किया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकवि कालिदास की प्रसिद्ध कृतियों - अभिज्ञान शाकुंतलम, मेघदूतम, कुमारसंभव, रघुवंश, ऋतुसंहार और विक्रमोर्वशीयम् का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी ग्रंथ साहित्यिक सौंदर्य के प्रतीक हैं। इनमें भारतीय जीवन दर्शन, प्रकृति और प्रेम की गहन अभिव्यक्ति निहित है।

हैदराबाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, इंडिगो की फ्लाइट डायवर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आरजीआईए) को शनिवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने इंडिगो की फ्लाइट को पास के एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार, 01.11.2025 को APOC से एक मैसेज मिला कि कस्टमर सपोर्ट RGIA को एक ईमेल मिला है। Customersupport@gmrgroup.in पर ईमेल आईडी पपीता राजन से 05.25 बजे ये मेल भेजा गया जिसका सब्जेक्ट था- इंडिगो 68 की हैदराबाद जाने वाली लैंडिंग रोकें।

ईमेल में लिखा था, "LTTE-ISI के गुर्गों ने 1984 के मद्रास एयरपोर्ट कार्यप्रणाली शैली में एक बड़ा धमाका करने की योजना बनाई है। यह धमाका RGIA पोर्ट के फ्यूजलेज और माइक्रोबॉट्स से फिक्स किए गए फ्यूल टैंक पर किया जाएगा।

आईईडी में ताकतवर नर्व गैस होगी। फ्रैंकफर्ट ऑपरेशन उपायों का अध्ययन के लिए एक टेस्ट है। आईईडी की लोकेशन की जानकारी के लिए कृपया नीचे दिया गया स्टेग्नोग्राफिक डॉक्यूमेंट पढ़ें, लाइनों के बीच में पढ़ें।

AIADMK से बाहर निकाले जाने पर छलका सेंगोट्टैयन का दर्द, कहा- मैं दर्द में...

नई दिल्ली (एजेंसी)। AIADMK के वरिष्ठ नेता केए सेंगोट्टैयन को पार्टी ने अचानक बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, बर्खास्त होने के कई घंटों बाद सेंगोट्टैयन ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने पार्टी के इस कदम की आलोचना अपना दर्द बयां किया है।

सेंगोट्टैयन के अनुसार, मैं पार्टी से निकाले जाने पर बेहद दुखी हूं, दर्द में हूं, आंसू बहा रहा हूं और मुझे नींद नहीं आ रही है। सेंगोट्टैयन का कहना है कि उन्हें सबसे ज्यादा बुरा इस बात का लगा कि उन्होंने लगभग आधे दशक (50 साल) से ज्यादा पार्टी के लिए काम किया और उन्हें बिना नोटिस दिए ही बाहर निकाल दिया गया। उन्हें निष्कासित करने से पहले पार्टी ने एक नोटिस तक नहीं दिया।

सेंगोट्टैयन ने कहा- मैंने निष्कासित नेताओं को वापस बुलाने के लिए पार्टी को कोई धमकी नहीं दी थी। यह सिर्फ एक सुझाव था, जिसपर चर्चा होनी चाहिए थी। मेरा यह सुझाव पार्टी को रिन्यू करने के लिए था, जिससे स्वर्गीय और जयललिता का सपना पूरा हो सके।

राष्ट्रपति भवन जैसी झलक, बस्तर-सरगुजा आर्ट से सजा, इको-फ्रेंडली डिजाइन, ऐसा है छत्तीसगढ़ का नया विधानसभा भवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए विधानसभा भवन का लोकार्पण किया है। इस खास मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह समेत कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रहीं।

नवा रायपुर के सेक्टर 19 में बना नया विधानसभा भवन बेहद शानदार है। इस भवन की हर ईंट पर राज्य के इतिहास की छाप देखी जा सकती है। पीएम मोदी के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 11 से चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है। पीएम मोदी किसी को छेड़ते नहीं और जो छेड़ता है उसे छोड़ते नहीं हैं।

ओम बिरला ने किया संबोधित- कार्यक्रम की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के भाषण से हुई। जय जोहार के नारे के साथ सभी को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने कहा कि विधानसभा के नए भवन का लोकार्पण पीएम मोदी के कर कमलों से हो रहा है। ये गौरव की बात है। ये नया भवन लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार लाने में मदद करेगा।

273 करोड़ में तैयार हुआ भवन- विधानसभा में लोकार्पण के दौरान पीएम मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाया। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया। कुछ देर में बाद 'इको-फ्रेंडली' नए भवन का लोकार्पण हुआ। करीब 273 करोड़ रुपये की लागत से 20.78 हेक्टेयर में फैला यह भवन लगभग तीन वर्षों में तैयार हुआ है। इसकी नींव अगस्त 2020 में रखी गई थी, जबकि निर्माण कार्य अगस्त 2022 में शुरू हुआ। पारंपरिक महलों की शैली में बने इस भवन में 13 आकर्षक गुंबद हैं, जिनके भीतर कटोरे के आकार में धान की बालियां उकेरी गई हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को किसी भी दबाव से मुक्त रहना चाहिए, चीन की दादागीरी पर राजनाथ सिंह की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र मुक्त, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात क्षेत्र में चीन की सैन्य ताकत के प्रदर्शन को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच कही।

दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह टिप्पणी मलेशिया के कुआलालंपुर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) में की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आसियान के नेतृत्व वाले समावेशी क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के पक्ष में है। उन्होंने एडीएमएम-प्लस को लेकर कहा कि यह एक मंच है जिसमें 11 देशों का आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) और उसके आठ संवाद साझेदार - भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की शुरुआत से ही एडीएमएम-प्लस सक्रिय और रचनात्मक भागीदार बन रहा है। हमें तीन विशेषज्ञ कार्य समूहों की सह-अध्यक्षता का अवसर प्राप्त हुआ है -मानवीय माइन एक्शन, वियतनाम के साथ 2014 से 2017 तक, सैन्य चिकित्सा, म्यांमार के साथ 2017 से 2020 तक, मानवीय सहायता और आपदा राहत, इंडोनेशिया के साथ 2020 से 2024 तक, और वर्तमान में - आतंकवाद-रोधी, मलेशिया के साथ 2024 से 2027 तक।

राजस्थान के कोटा में SUV और स्कूल वैन की भिड़ंत में दो छात्राओं की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में आज सुबह एक भीषण हादसा देखने को मिला, जिसमें स्कूल के 2 छात्राओं की मौत हो गई और 1 दर्जन से अधिक बच्चे घायल हैं। बच्चों को ले जा रही स्कूल वैन अचानक एक SUV कार से टकरा गई। हादसे के बाद वैन में चीख-पुकार मच गई।

यह हादसा कोटा के इटावा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे की वजह वैन का टायर फटना था। 132 केवी ग्रिड स्टेशन के पास वैन का टायर अचानक फट गया।

विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका, PM मोदी ने बताया- माओवाद के अंत और परिवर्तन की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर के लोकार्पण के अवसर पर राज्य के समृद्ध इतिहास, वर्तमान प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की यात्रा में परिवर्तन का साक्षी रहना उनके लिए गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के साथ अपने आत्मीय रिश्ते को याद करते हुए कहा कि एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने यहां काफी समय बिताया और बहुत कुछ सीखा। उन्होंने इस अवसर पर संविधान सभा के सदस्य रहे छत्तीसगढ़ के महान मनीषियों रवि शंकर शुक्ल, बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल, घनश्याम सिंह गुप्त, किशोरी मोहन त्रिपाठी, राम प्रसाद पुताई और रघुराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन विभूतियों ने पिछड़े क्षेत्रों से दिल्ली पहुंचकर बाबा साहब के नेतृत्व में संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विरासत और विकास का समन्वय- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रव्यापी भावना को दोहराते हुए कहा कि आज पूरा देश विरासत और विकास को साथ लेकर चल रहा है। उन्होंने देश की संसद में पवित्र सेंगोल के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि नई संसद की गैलरियाँ भारत के लोकतंत्र की प्राचीनता को दर्शाती हैं। उन्होंने खुशी जताई कि यही सोच और भावना छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन में भी झलकती है, जो राज्य की समृद्ध संस्कृति का प्रतिबिंब है।

माओवाद के अंत और परिवर्तन की कहानी- प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के पिछले 25 वर्षों के परिवर्तन को अद्भुत और प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा- कभी यह राज्य माओवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वहीं राज्य समृद्धि, सुरक्षा और साहित्य का प्रतीक बन रहा है। भारत आज नक्सलवाद और माओवादी आतंक को भी समाप्त करने की तरफ बढ़ रहा है। आज बस्तर ओलंपिक की चर्चा देश के कोने-कोने में है। उन्होंने इस परिवर्तन का श्रेय छत्तीसगढ़ की जनता का परिश्रम और भाजपा सरकारों का दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने मुरिया दरबार (बस्तर की आदिम संसद) का ज़िक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में समाज और शासन मिलकर समस्याओं का समाधान करते रहे हैं।

पीओके में मानवाधिकारों का उल्लंघन बंद कर दो, UN में भारत ने पाकिस्तान को फिर लगाई लताड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के दोगलेपन को उजागर करते हुए भारत ने कड़ा संदेश दिया है। भारत ने मांग की है कि वह गंभीर मानवाधिकारों का उल्लंघन बंद कर दे। पाकिस्तानी सेना कश्मीर के उन इलाकों में लोगों के विद्रोह को दबा रही है जिन पर उसने गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है।

भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन में प्रथम सचिव भाविका मंगलनंदन ने शुक्रवार को कहा, पिछले कुछ हफ्तों में ही, कब्जा करने वाली पाकिस्तानी सेना और उनके साथियों ने कई बेगुनाह आम लोगों को मार डाला है जो कश्मीर के उन हिस्सों में अपने बुनियादी हक और आजादी के लिए आंदोलन कर रहे हैं जिन पर उनका कब्जा है।

मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोके पाकिस्तान- उन्होंने जनरल असेंबली में इस्लामाबाद की बुराई को खारिज करते हुए कहा, हम पाकिस्तान से अपील करते हैं कि वह उन इलाकों में गंभीर और लगातार हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोके, जिन पर उसने गैर-कानूनी तरीके से कब्जा किया है, जहां लोग पाकिस्तान के मिलिट्री कब्जे, दमन, क्रूरता और संसाधनों के गैर-कानूनी इस्तेमाल के खिलाफ खुली बगावत कर रहे हैं।

झूठ बोलने से असलियत नहीं बदलती- मंगलनंदन ने कहा, बार-बार आरोप लगाने और झूठ बोलने से न तो असलियत बदलती है और न ही सच। दरअसल यूएन में हर मौके पर पाकिस्तान के राजनयिक भारत पर आरोप लगाते रहते हैं, चाहे बातचीत का प्रसंग कुछ भी हो। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की दोहरी बातें और दोगलापन इस बड़े फोरम के समय और ध्यान के लायक नहीं है। मंगलनंदन ने कहा कि कश्मीर के लोगों का चुनाव में हिस्सा लेना भारत के लोकतंत्र की पुष्टि है। उन्होंने हम पाकिस्तान की भारत के लोगों और जम्मू-कश्मीर के लोगों समेत लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिशों को खारिज करते हैं और उनकी सामाजिक और आर्थिक तरक्की सबके सामने है।

मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध- उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान ने झूठी तुलना करके आत्मनिर्णय के सिद्धांत को खत्म करने का सहारा लिया है। मंगलनंदन ने कहा, मैं फिर से कहना चाहती हूं कि जम्मू कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं।

मानवाधिकारों के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि यह महात्मा गांधी के नेतृत्व में हमारे स्वतंत्रता संग्राम से उपजा है, जिसमें अहिंसा और समानता पर जोर दिया गया था। उन्होंने कहा कि गांधीवादी विरासत संविधान में शामिल है और मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए भारत का घरेलू ढांचा लगातार विकसित और मजबूत हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने बुनियादी अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रगतिशील कानून और कार्यक्रम अपनाए हैं।

कौन हैं बंकिम ब्रह्मभट्ट, क्यों लगा 4400 करोड़ रुपये के फ्रॉड का आरोप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के बंकिम ब्रह्मभट्ट पर अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। अमेरिकी मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट कंपनी ब्लैकरॉक की प्राइवेट-क्रेडिट इन्वेस्टिंग ब्रांच और दूसरे लेंडर्स इस रकम को वसूलने की कोशिश में लगे हैं।

वहीं, बंकिम ब्रह्मभट्ट ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताया है। वह एक टेलिकॉम-सर्विस कंपनी के मालिक हैं। लेंडर्स ने उन पर अकाउंट्स रिसीवेबल में हेरफेर करने का आरोप है, जिन्हें लोन कोलैटरल के तौर पर इस्तेमाल किया जाना था।

कौन हैं बंकिम ब्रह्मभट्ट- बंकिम ब्रह्मभट्ट ब्रॉडबैंड टेलीकॉम और ब्रिजवॉइस के मालिक हैं। ये ग्लोबल टेलीकॉम-सर्विस सेक्टर की कम जानी-मानी कंपनियां हैं। इंटरनेट पर बंकिम ब्रह्मभट्ट के बारे में ज्यादा जानकारी मौजूद नहीं है, जबकि एक लिंक्डइन प्रोफाइल थी, वह भी अब डिलीट हो गई।

अगर कंपनियों की बात की जाए तो ये दोनों कंपनियां बैंकाई ग्रुप की हैं, जिसने जुलाई के एक एक्स पोस्ट में बंकिम ब्रह्मभट्ट को प्रेसिडेंट और सीईओ बताया था। बैंकाई ग्रुप के एक्स बायो में इसे ÷टेलीकम्युनिकेशन इंडस्ट्री में दुनिया भर में जाना-माना लीडर बताया गया है, जो टेल्को, ऑपरेटर्स और दूसरी कंपनियों के साथ टेलीकॉम टेक्नोलॉजी और कैरियर बिजनेस में अपनी जगह बनाए हुए है।

इसकी वेबसाइट के मुताबिक, बंकिम ब्रह्मभट्ट का बिजनेस दुनिया भर के दूसरे टेलीकॉम ऑपरेटरों को इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी सॉल्यूशन देता है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक ब्रह्मभट्ट के ऑफिस न्यूयॉर्क के गार्डन सिटी में थे।

लेंडर्स के मुताबिक, उन्होंने फाइनेंसिंग व्हीकल्स का एक नेटवर्क बनाया, जिसमें कैरिओक्स कैपिटल और बीबी कैपिटल एसपीवी शामिल हैं। इसने ब्लैकरॉक के एचपीएस इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स के नेतृत्व में प्राइवेट-क्रेडिट इन्वेस्टर्स से करोड़ों डॉलर उधार लिए। एचपीएस इन्वेस्टमेंट पार्टनर्स एक प्राइवेट-क्रेडिट कंपनी है जिसे हाल ही में ब्लैकरॉक ने खरीद लिया है।

लोन देने वालों ने उन पर कस्टमर इनवॉइस बनाने और उन नकली रिसीवेबल्स को 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा के लोन के लिए कोलैटरल के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

ISIS के आतंकियों को ट्रेनिंग दे रहा पाकिस्तान, पहलवान मूसा की मौत से मिले मौजूदगी के सुराग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान लगातार दावा करता रहा है कि आइएस जैसा कोई आतंकी समूह उसके क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। हालांकि, हालिया घटनाक्रमों से पता चलता है कि आइएस-खोरासान अब भी पाकिस्तान में सुरक्षित पनाहगाह और सक्रिय नेटवर्क बनाए हुए है। पाकिस्तान में इस्लामिक स्टेट के प्रशिक्षण केंद्र चल रहे हैं।

अफगान सैन्य विश्लेषकों ने कहा कि आइएस-के के प्रमुख सदस्यों में से एक नुसरत हाल ही में पेशावर में मारा गया। वह पहलवान मूसा और अबू जार नाम से भी जाना जाता था। पेशावर में उसकी हत्या ने एक बार फिर पाकिस्तान में समूह की मौजूदगी और गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

पाकिस्तान में दुस्हूर प्रशिक्षण शिविरों का खुलासा- नुसरत ने 2022 और 2023 के दौरान काबुल में हमलों की योजना बनाने में भूमिका निभाई थी।

अफगान सुरक्षा सूत्रों ने सईदुल्लाह नाम के एक आइएस आतंकी की गिरफ्तारी की भी पुष्टि की है, जिसने तोरखम सीमा पार कर अफगानिस्तान में घुसपैठ से पहले पाकिस्तान में प्रशिक्षण लेने की बात स्वीकारी है।

पाकिस्तान में हाफिज सईद के करीबी की दिनदहाड़े हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 28 वर्षीय आतंकी शेख मुजाहिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि, पंजाब पुलिस ने दावा किया है कि उसका लश्कर से कोई संबंध नहीं था। यह घटना कसूर जिले में कोट राधा किशन में हुई। यह स्थान लाहौर से 60 किलोमीटर दूर है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ईसा खान के अनुसार, शेख मुज मुजाहिद को दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी के दौरान गोली लगी।

उन्होंने कहा कि दो प्रतिद्वंद्वी गुटों रेहान और फैजान के बीच गोलीबारी हुई। जब गोलीबारी शुरू हुई मुजाहिद अन्य लोगों के साथ मौके मौजूद था। कुछ गोलियां मुजाहिद को लगीं और वह मौके पर ही ढेर हो गया। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर 20 से अधिक संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भारत-अमेरिका के बीच हुई 10 साल की डिफेंस डील, राजनाथ सिंह बोले- नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को मलेशिया कुआलालंपुर में अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा पर एक समझौते का आदान-प्रदान किया। इस दौरान अमेरिका ने भारत के साथ ऐतिहासिक 10 वर्षीय रक्षा रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए।

दरअसल, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने एक्स पर बताया कि उन्होंने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। हेगसेथ ने आगे कहा कि यह समझौता भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जिसे उन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला बताया।

हेगसेथ ने इसकी घोषणा करते हुआ कहा कि हम अपने समन्वय, सूचना साझाकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ा रहे हैं। हमारे रक्षा संबंध पहले कभी इतने मजबूत नहीं रहे।

राजनाथ सिंह ने क्या कहा- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर की पुष्टि की और हेगसेथ के साथ अपनी बैठक को सार्थक बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- कुआलालंपुर में अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने 10 वर्षीय अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। यह हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

यह रक्षा रूपरेखा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगी। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक अभिसरण का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक की शुरुआत करेगा। रक्षा हमारे द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

भारत ने सिंधु का पानी रोका तो प्यास से तड़पेंगे पाकिस्तानी, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी की पारिस्थितिक खतरा रिपोर्ट 2025 के अनुसार, पाकिस्तान की उन क्षेत्रों में की कृषि खतरे में है, जो सिंधु नदी बेसिन पर निर्भर है। भारत के बांध संचालन में मामूली बदलाव से पाकिस्तान में जल संकट बढ़ सकता है। क्योंकि पाकिस्तान के बांध केवल 30 दिनों का जल संग्रह कर सकते हैं। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे पाकिस्तान की कृषि असुरक्षित हो गई है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख पाकिस्तान के लिए बड़ी चिंता का विषय है। क्योंकि भारत छोटे कदम भी उठाता है तो पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सिंचाई प्रभावित होगी। ऐसे में भारत का बड़ा और निर्णायक कदम पाकिस्तान को भारी नुकसान कर सकता है। सिडनी स्थित थिंक टैंक, इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान, जिसकी 80त्न कृषि सिंधु बेसिन के पानी पर निर्भर है, को पानी की कमी के गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि भारत के पास अपनी तकनीकी क्षमता के भीतर सिंधु नदी के प्रवाह को बदलने की क्षमता है। दरअसल, आईईपी की यह रिपोर्ट पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा 1960 की सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के कुछ महीनों बाद आई है। संधि को स्थगित रखने के कारण, भारत वर्तमान में आईडब्ल्यूटी के तहत अपने जल-बंटवारे के दायित्वों से बाध्य नहीं है।

आईडीएफ की वर्दी पहनने के लायक नहीं, इजराइली सेना की अधिकारी ने इस वजह से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइली सेना की मुख्य कानूनी अधिकारी एडवोकेट जनरल मेजर जनरल यिफात तोमर-येरुशलमी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तोमर-येरुशलमी ने बताया कि वे एक ऐसे वीडियो की आपराधिक जांच के कारण इस्तीफा दी हैं, जिसमें सैनिकों को गाजा युद्ध के दौरान गिरफ्तार किए गए एक फिलिस्तीनी बंदी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए दिखाया गया था।

जांच के दौरान सच सामने आने के बाद तोमर-येरुशलमी ने कहा कि वह पद छोड़ रही हैं, क्योंकि उन्होंने अगस्त 2024 में वीडियो लीक करने की मंजूरी दी थी। तोमर-येरुशलमी ने अपने त्यागपत्र में एसडी तेइमान बंदियों को ÷सबसे खराब किस्म के आतंकवादी÷ कहा, लेकिन साथ ही कहा कि इससे संदिग्ध दुर्व्यवहार की जांच करने के दायित्व से कोई छूट नहीं मिलती।

दरअसल, युद्ध के दौरान इजराइली हिरासत में फिलिस्तीनियों के साथ दुर्व्यवहार का वीडियो लीक होने के बाद मानवाधिकार समूहों ने इसकी रिपोर्ट की। इजरायली सेना द्वारा ऐसे दर्जनों मामलों की जांच चल रही है। जिसमें उस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया है। जांच के दौरान एक वीडियो लीक होने के बाद में इजराइली सेना की मुख्य कानूनी अधिकारी एडवोकेट जनरल मेजर जनरल यिफात तोमर-येरुशलमी का नाम सामने आया।

चिटफंड ठगी के शिकार को कैसे वापस मिलेगी रकम? हाईकोर्ट में अटका मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट अब चिटफंड ठगी के शिकार लोगों को रुपये लौटाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) तकनीक की मदद चाहता है। लेकिन सवाल यह है कि इस प्रक्रिया के लिए जिन लोगों को नियुक्त किया जाएगा, उनका खर्च कौन उठाएगा?

इस संबंध में न तो राज्य और न ही केंद्र जिम्मेदारी लेना चाहता है। कोर्ट का यह भी कहना है कि जमाकर्ताओं के पैसे से यह काम नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने रोजवैली चिटफंड घोटाले के शिकार जमाकर्ताओं का पैसा लौटाने के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिलीप सेठ समिति (एसेट डिस्पोजल कमेटी) को यह जिम्मेदारी सौंपी थी।

समिति पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप- हालांकि इस समिति पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इसे देखते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज और न्यायमूर्ति उदय कुमार की खंडपीठ ने सेबी को फोरेंसिक आडिट करने की जिम्मेदारी लेने को कहा था, लेकिन सेबी के वकील ने पिछली सुनवाई में स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें यह काम करने का अधिकार नहीं है। शुक्रवार को इस मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ दिलीप सेठ समिति की जांच की जिम्मेदारी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) को देना चाहती है। कैग यह काम कर सकता है या नहीं, इसकी जानकारी अगले सप्ताह दी जाएगी। इस बीच आरोप है कि अलकेमिस्ट कंपनी ने करीब आठ लाख रुपये के आवेदन पर बाजार से 1385 करोड़ रुपये वसूलने कर धोखाधड़ी की है।

हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि अलकेमिस्ट समूह के अंतर्गत कुल कितनी कंपनियां हैं और उनमें कितना रुपये निवेश किया गया है, इसका हिसाब देना होगा।

कड़कड़ाती ठंड के लिए अभी और करना होगा इंतजार, मौसम विभाग ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर महीने से ही देश में सर्दियों ने दस्तक देनी शुरू कर दी थी। चक्रवाती तूफान मोंथा के कारण कई राज्यों में बारिश देखने को मिली रही है, जिसके कारण तापमान अचानक से कम हो गया है और लोगों को ठंड का अहसास होने लगा है। मगर, कड़ाके की सर्दी के लिए लोगों को अभी भी इंतजार करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, ला नीना की वजह से सर्दियों में देरी हो सकती है। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने के कारण पहाड़ी राज्यों में तापमान गिरने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है नवंबर महीने में रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और दिन का तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है।

मौसम विभाग ने क्या कहा- अक्टूबर में सर्दियों के आगाज के बाद से ही इस बार कड़ाके की सर्दी पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। मगर, ला नीना कमजोर होने के कारण लोगों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र के अनुसार, प्रशांत महासागर के मध्य में ला नीना कमजोर स्थिति में है। इस दौरान समुद्र का पानी ज्यादा ठंडा होता है, जिसका असर मौसम पर भी देखने को मिलता है।

लाइट बंद करने को लेकर हुआ झगड़ा तो डंबल मारकर साथी का किया मर्डर, बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक ऑफिस में शनिवार तड़के लाइट बंद करने को लेकर हुए झगड़े में एक शख्स ने कथित तौर पर उसके साथ काम करने वाले 41 साल के एक कर्मी की हत्या कर दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान चित्रदुर्ग जिले के रहने वाले भीमेश बाबू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना रात करीब 1.30 बजे डेटा डिजिटल बैंक नाम की एक कंपनी के ऑफिस में हुई, जो रोजाना मूवी शूटिंग वीडियो स्टोर करने का काम करती है।

बहस होने पर साथी को मारा डंबल- पुलिस के मुताबिक, रात में ऑफिस में रुके दो कर्मचारियों के बीच लाइट बंद करने को लेकर बहस हो गई। गुस्से में आकर, विजयवाड़ा के रहने वाले सोमाला वामशी (24) ने कथित तौर पर अपने साथ काम करने वाले भीमेश के माथे पर डंबल से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाद में पुलिस थाने में किया सरेंडर- एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी बाद में गोविंदराज नगर पुलिस स्टेशन गया और सरेंडर कर दिया। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ..., आंध्र प्रदेश मंदिर हादसे के बाद क्या बोले सीएम चंद्रबाबू नायडू?

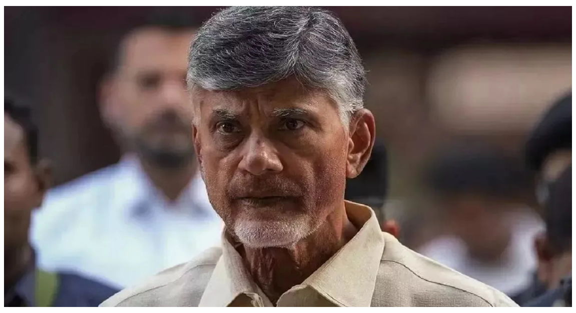

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ में 9 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 8 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। इस घटना पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने गहरा दुख व्यक्त किया है और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है।

सीएम नायडू ने कहा कि आयोजकों ने पुलिस या स्थानीय अधिकारियों को घटना की जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, यह बेहद दुखद है कि भगदड़ में निर्दोष लोगों की जान चली गई। मैं मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर मंदिर का निर्माण एक निजी व्यक्ति ने करवाया था और कार्तिक एकादशी के कारण वहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए थे।

सीएम ने कार्रवाई की कही बात

नायडू ने कहा, दुर्भाग्य से आयोजकों ने पुलिस या स्थानीय अधिकारियों को इस घटना की जानकारी नहीं दी। अगर उन्होंने हमें सूचित किया होता, तो हम पुलिस सुरक्षा प्रदान करते और भीड़ को नियंत्रित करते। इस समन्वय की कमी के कारण नौ लोगों की जान चली गई और पांच घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी की भी जान न जाए, लेकिन निजी कार्यक्रमों में ऐसी घटनाओं का होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी पूरी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को हुई भगदड़ के कारण 9 लोगो की जान चली गई। बताया जा रहा है कि मंदिर पहली मंजिल पर स्थित था, जहां जाने के लिए लोग सीढ़ियों से चढ़ रहे थे। तभी लोहे की रेलिंग टूट गई और कोने में खड़े लोग नीचे गिर गए। इससे लोग घबरा गए और हादसा हो गया।

55 साल बाद अपने स्कूल पहुंचकर भावुक हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी, कहा- धर्म युद्ध था ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को अपने बचपन के विद्यालय सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल, सतना पहुंचे। पूरे 55 वर्ष बाद अपने पुराने स्कूल लौटे जनरल द्विवेदी का छात्रों, शिक्षकों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

मंच पर पहुंचते ही वे भावुक हो उठे और कहा कि यही वह स्थान है, जहां से मैंने जीवन में निर्णय लेने की क्षमता सीखी, जिसने आगे चलकर मुझे सेना में कई निर्णायक सफलताएं दिलाई, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर सबसे महत्वपूर्ण रहा। जनरल द्विवेदी ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि, इस ऑपरेशन का उद्देश्य केवल दुश्मन पर विजय प्राप्त करना नहीं था, बल्कि देश की अखंडता, संप्रभुता और शांति की पुनः स्थापना करना था।

इस अभियान ने पूरे समाज को एक सूत्र में बांध दिया। जिस तरह 'मां, बहन और बेटी' जब भी अपने माथे पर सिंदूर लगाती हैं तो एक सैनिक को याद करती हैं, उसी भावना ने इस अभियान का नाम 'सिंदूर' रखा। यह अभियान हर भारतीय के मन में राष्ट्रभक्ति का सिंदूर बन गया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक धर्म युद्ध था एक ऐसा युद्ध, जिसमें नैतिकता, सिद्धांत और तकनीक का समन्वय था। हमने किसी भी निर्दोष को नुकसान नहीं पहुंचाया, न ही नमाज या प्रार्थना के समय हमला किया। यह हमारे भारतीय संस्कारों का प्रतीक है। थल सेना प्रमुख ने कहा कि जब देश के नागरिक एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे, तब ही 2047 का विकसित भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों और समाजसेवियों की भारी उपस्थिति रही।

बच्चों पर डाला पेट्रोल, पेपर स्प्रे कर तानी पिस्तौल... पुलिस ने बताया क्या था रोहित आर्या का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के पवई इलाके में शुक्रवार दोपहर बड़ा हंगामा मच गया जब रोहित आर्या नाम के व्यक्ति ने क्र स्टूडियो में चार बच्चों को बंधक बना लिया। आरोपी ने पूरे स्टूडियो में पेट्रोल और रबर का घोल छिड़ककर धमकी दी कि अगर उसकी मांगें नहीं मानी गई तो वह इस जगह को आग लगा देगा।

असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर अमोल वाघमारे के अनुसार, उन्हें करीब दोपहर 2 बजे सूचना मिली जब कुछ माता-पिता भागते हुए आए और बोले के उनके बच्चे फोन नहीं उठा रहे। इसी दौरान, किसी ने उन्हें व्हाट्सऐप पर एक वीडियो दिखाया जिसमें रोहित आर्या खद कह रहा था कि उसने बच्चों को बंधक बना रखा है और किसी ने हस्तक्षेप किया तो वह आग लगा देगा। रूम से आ रही थी पेट्रोल की गंध- कुछ ही देर में API सोहेल सुबेदार और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सोनवणे की टीम मौके पर पहुंच गई। माहौल तनावपूर्ण था, बाहर से ही पेट्रोल की गंध आ रही थी और माता-पिता रो रहे थे। पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से पहली मंजिल के बाथरूम की खिड़की से प्रवेश किया, जहां बच्चे बंद थे।

वाघमारे के साथ सब-इंस्पेक्टर राकेश नलवाडे, बड़े और शिंदे भी थे। वाघमारे ने बताया, ÷हमने बच्चों को रोने की आवाज सुनी। तभी रोहित आर्या अंदर आया और बच्चों से कुछ दूरी पर खड़ा होकर पेपर स्प्रे चलाया और अपनी कमर पर रखी पिस्तौल की ओर इशारा किया। जब उसने पिस्तौल हमारी तरफ तानी तो मैंने आत्मरक्षा में गोली चलाई।

गोली लगने से घायल हुआ आर्या- गोली लगने से आर्या घायल हुआ, जिसके बाद उसे जोगेश्वरी टॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया। बच्चे सुरक्षित बाहर निकाले गए और उनके माता-पिता को सौंप दिए गए। स्रद्धक्रके मुताबिक, पुलिस के अंदर जाने से पहले रोहन आहर जो आर्या का सहायक था, वो खिड़की पर आया और बताया कि आर्या ने बच्चों को रस्सी से बंध रखा है और उनके मुंह पर टेप चिपकाई हुई है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश...

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिसमुद्दे पर हो रही है,वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश। जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी,आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन,उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से 'न्यूक्लियर रेस' में धकेल देगा?दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड दूसरों को रोको, खुद करो नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में 'न्यूक्लियर नैतिकता' का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत,अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका,जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरुनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है,जब वह अंतरराष्टीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपताहै,उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो,यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था।उसके बाद उसने अंतरराष्टीय दबाव और कंप्रीहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे।

लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेज़ी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइलएवंगार्डऔर सरमाट की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी डोंगफ़ेंग-41 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी 'मिलिट्री टेक्नोलॉजी' में सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया,रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो,जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका परीक्षण शुरू करता है,तो रूस भी तुरंत जवाबी परमाणु परीक्षण करेगा। यह बयान सीधे संकेत देता है कि दुनियाँ फिर से कूल्ड वॉर जैसे दौर की ओर बढ़ सकती है।

लाल बहादुर शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री एक प्रसिद्ध भारतीय राजनेता, महान् स्वतंत्रता सेनानी और जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। वे एक ऐसी हस्ती थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में देश को न सिर्फ सैन्य गौरव का तोहफा दिया बल्कि हरित क्रांति और औद्योगीकरण की राह भी दिखाई। शास्त्री जी किसानों को जहां देश का अन्नदाता मानते थे, वहीं देश के सीमा प्रहरियों के प्रति भी उनके मन में अगाध प्रेम था जिसके चलते उन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा दिया।

जीवन परिचय- लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को मुग़लसराय, उत्तर प्रदेश में मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव के यहाँ हुआ था। इनके पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। अत~ सब उन्हें मुंशी जी ही कहते थे। बाद में उन्होंने राजस्व विभाग में लिपिक (क्लर्क) की नौकरी कर ली थी। लालबहादुर की माँ का नाम रामदुलारी था। परिवार में सबसे छोटा होने के कारण बालक लालबहादुर को परिवार वाले प्यार से नन्हें कहकर ही बुलाया करते थे। जब नन्हें अठारह महीने का हुआ तब दुर्भाग्य से पिता का निधन हो गया। उसकी माँ रामदुलारी अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्ज़ापुर चली गयीं। कुछ समय बाद उसके नाना भी नहीं रहे। बिना पिता के बालक नन्हें की परवरिश करने में उसके मौसा रघुनाथ प्रसाद ने उसकी माँ का बहुत सहयोग किया। ननिहाल में रहते हुए उसने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की। उसके बाद की शिक्षा हरिश्चन्द्र हाई स्कूल और काशी विद्यापीठ में हुई। काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि मिलते ही प्रबुद्ध बालक ने जन्म से चला आ रहा जातिसूचक शब्द श्रीवास्तव हमेशा के लिये हटा दिया और अपने नाम के आगे शास्त्री लगा लिया। इसके पश्चात् शास्त्री शब्द लालबहादुर के नाम का पर्याय ही बन गया।

भारत में ब्रिटिश सरकार के ख़िलाफ़ महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन के एक कार्यकर्ता लाल बहादुर थोड़े समय (1921) के लिये जेल गए। रिहा होने पर उन्होंने एक राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय काशी विद्यापीठ (वर्तमान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ) में अध्ययन किया और स्नातकोत्तर शास्त्री (शास्त्रों का विद्वान) की उपाधि पाई। स्नातकोत्तर के बाद वह गांधी के अनुयायी के रूप में फिर राजनीति में लौटे, कई बार जेल गए और संयुक्त प्रांत, जो अब उत्तर प्रदेश है, की कांग्रेस पार्टी में प्रभावशाली पद ग्रहण किए। 1937 और 1946 में शास्त्री प्रांत की विधायिका में निर्वाचित हुए।

विवाह- 1928 में उनका विवाह गणेशप्रसाद की पुत्री ललिता से हुआ। ललिता जी से उनके छ~ सन्तानें हुईं, चार पुत्र- हरिकृष्ण, अनिल, सुनील व अशोक; और दो पुत्रियाँ- कुसुम व सुमन। उनके चार पुत्रों में से दो- अनिल शास्त्री और सुनील शास्त्री अभी भी हैं, शेष दो दिवंगत हो चुके हैं।

नेहरू जी से मुलाकात- 1929 में इलाहाबाद आने के बाद उन्होंने श्री टंडन जी के साथ भारत सेवक संघ के इलाहाबाद इकाई के सचिव के रूप में काम किया। यहीं उनकी नज़दीकी नेहरू जी से भी बढी। इसके बाद से उनका क़द निरंतर बढता गया जिसकी परिणति नेहरू मंत्रिमंडल में गृहमंत्री के तौर पर उनका शामिल होना था। इस पद पर वे 1951 तक बने रहे।

नारा मरो नहीं मारो- मरो नहीं मारो का नारा करो या मरो का ही एक रूप था। गाँधीवादी सोच के चलते महात्मा गाँधी ने नारा दिया था- करो या मरो। यह नारा उसी रात दिया गया था, जिस रात भारत छोड़ो आन्दोलन का आगाज़ हुआ। यह इसी नारे का असर था कि सम्पूर्ण देश में क्रान्ति की प्रचंड आग फ़ैल गई। ब्रिटिश शासन के खिलाफ इसे अगर एक हिंसक नारा कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यह नारा लाल बहादुर शास्त्री द्वारा 1942 में दिया गया था, जो कि बहुत ही चतुराई पूर्ण रूप से करो या मरो का ही एक अन्य रूप था तथा समझने में आत्यधिक सरल था। सैंकड़ों वर्षों से दिल में रोष दबाए हुए बैठी जनता में यह नारा आग की तरह फ़ैल गया था। एक तरफ गाँधीवादी विचारधारा अहिंसा के रास्ते पर चलकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन से ब्रिटिश सरकार से आज़ादी लिए जाने का रास्ता था, परन्तु अंग्रेज़ों ने शायद इसे आवाम का डर समझ लिया था। इसी कारण साफ़ अर्थों में अंग्रेज़ों की दमनकारी नीतियों तथा हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना आवश्यक था। तत्पश्चात् स्थिति को भांपते हुए शास्त्री जी ने चतुराईपूर्वक मरो नहीं मारो का नारा दिया, जो एक क्रान्ति के जैसा साबित हुआ।

मंत्री पद- भारत की स्वतंत्रता के पश्चात् शास्त्री जी को उत्तर प्रदेश के संसदीय सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। वो गोविंद बल्लभ पंत के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में प्रहरी एवं यातायात मंत्री बने। यातायात मंत्री के समय में उन्होंनें प्रथम बार किसी महिला को संवाहक (कंडक्टर) के पद में नियुक्त किया। प्रहरी विभाग के मंत्री होने के बाद उन्होंने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए लाठी के जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारंभ कराया। 1951 में, जवाहर लाल नेहरु के नेतृत्व में वह अखिल भारत काँग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किये गये। 1952 में वह संसद के लिये निर्वाचित हुए और केंद्रीय रेलवे व परिवहन मंत्री बने।

भारत के दूसरे प्रधानमंत्री- 1961 में गृह मंत्री के प्रभावशाली पद पर नियुक्ति के बाद उन्हें एक कुशल मध्यस्थ के रूप में प्रतिष्ठा मिली। 3 साल बाद जवाहरलाल नेहरू के बीमार पड़ने पर उन्हें बिना किसी विभाग का मंत्री नियुक्त किया गया और नेहरू की मृत्यु के बाद जून 1964 में वह भारत के प्रधानमंत्री बने। भारत की आर्थिक समस्याओं से प्रभावी ढंग से न निपट पाने के कारण शास्त्री जी की आलोचना हुई, लेकिन जम्मू-कश्मीर के विवादित प्रांत पर पड़ोसी पाकिस्तान के साथ वैमनस्य भड़कने पर (1965) उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ता के लिये उन्हें बहुत लोकप्रियता मिली। ताशकंद में पाकिस्तान के राष्ट्पति अयूब ख़ान के साथ युद्ध करने की ताशकंद घोषणा के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उनकी मृत्यु हो गई।

जय जवान, जय किसान का नारा- धोती कुर्ते में सिर पर टोपी लगाए गांव-गांव किसानों के बीच घूमकर हाथ को हवा में लहराता, जय जवान, जय किसान का उद्घोष करता। ये उसके व्यक्तित्व का दूसरा पहलू है। भले ही इस महान् व्यक्ति का कद छोटा हो लेकिन भारतीय इतिहास में उसका कद बहुत ऊंचा है। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद शास्त्री जी ने 9 जून, 1964 को प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक सरगर्मियों से भरा और तेज गतिविधियों का काल था। पाकिस्तान और चीन भारतीय सीमाओं पर नज़रें गड़ाए खड़े थे तो वहीं देश के सामने कई आर्थिक समस्याएं भी थीं। लेकिन शास्त्री जी ने हर समस्या को बेहद सरल तरीक़े से हल किया। किसानों को अन्नदाता मानने वाले और देश की सीमा प्रहरियों के प्रति उनके अपार प्रेम ने हर समस्या का हल निकाल दिया ÷जय जवान, जय किसान÷ के उद्घोष के साथ उन्होंने देश को आगे बढ़ाया।

भारत-पाकिस्तान युद्ध (1965)- जिस समय लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने उस साल 1965 में पाकिस्तानी हुकूमत ने कश्मीर घाटी को भारत से छीनने की योजना बनाई थी। लेकिन शास्त्री जी ने दूरदर्शिता दिखाते हुए पंजाब के रास्ते लाहौर में सेंध लगा पाकिस्तान को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस हरकत से पाकिस्तान की विश्व स्तर पर बहुत निंदा हुई। पाक हुक्मरान ने अपनी इज्जत बचाने के लिए तत्कालीन सोवियस संघ से संपर्क साधा जिसके आमंत्रण पर शास्त्री जी 1966 में पाकिस्तान के साथ शांति समझौता करने के लिए ताशकंद गए। इस समझौते के तहत भारत, पाकिस्तान के वे सभी हिस्से लौटाने पर सहमत हो गया, जहां भारतीय सेना ने विजय के रूप में तिरंगा झंडा गाड़ दिया था।

ताशकंद समझौता- ताशकंद समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच 11 जनवरी, 1966 को हुआ एक शांति समझौता था। इस समझौते के अनुसार यह तय हुआ कि भारत और पाकिस्तान अपनी शक्ति का प्रयोग नहीं करेंगे और अपने झगड़ों को शान्तिपूर्ण ढंग से तय करेंगे। यह समझौता भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब ख़ाँ की लम्बी वार्ता के उपरान्त 11 जनवरी, 1966 ई. को ताशकंद, रूस में हुआ।

निधन- ताशकंद समझौते के बाद दिल का दौरा पड़ने से 11 जनवरी, 1966 को ताशकंद में शास्त्री जी का निधन हो गया। हालांकि उनकी मृत्यु को लेकर आज तक कोई आधिकारिक रिपोर्ट सामने नहीं लाई गई है। उनके परिजन समय समय पर उनकी मौत का सवाल उठाते रहे हैं। यह देश के लिए एक शर्म का विषय है कि उसके इतने काबिल नेता की मौत का कारण आज तक साफ नहीं हो पाया है।

GST Rate Cut के बाद भी भरा सरकार का खजाना, अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू हुई थीं। GST Rate Cut से खाने-पीने के सामान से लेकर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली अधिकतर चीजें सस्ती हो गई थी। इसके बावजूद सरकार का खजाना भरा है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह में उछाल देखा गया है। शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फेस्टिव डिमांड और रुकी हुई खपत के कारण अक्टूबर में भारत का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 4.6त्न बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया।

375 वस्तुओं के दाम हुए सस्ते फिर भी हुई बढ़ोतरी- PTI की रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी कलेक्शन में हुई यह बढ़ोतरी 375 चीजों पर तस्झ रेट में कटौती के बावजूद हुई। किचन की जरूरी चीज़ों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल तक - जो 22 सितंबर से लागू हुई थी, जो नवरात्रि की शुरुआत के साथ हुई थी, जो कंज्यूमर खर्च के लिए एक अहम फेस्टिव पीरियड था।

अक्टूबर के कलेक्शन में मजबूत फेस्टिव सीजन की बिक्री का असर दिखा, क्योंकि कई कंज्यूमर ने बड़े पैमाने पर उम्मीद की जा रही रेट में कटौती से पहले खरीदारी टाल दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में घोषणा की थी कि दिवाली से पहले GST रेट कम किए जाएंगे, और ये कटौतियां नवरात्रि की शुरुआत से लागू होंगी।

अक्टूबर के लिए ग्रॉस तस्झ कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि अक्टूबर 2024 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये था। इसके उलट, इस साल अगस्त और सितंबर में कलेक्शन क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा।

हालांकि, अक्टूबर में 4.6% की साल-दर-साल बढ़ोतरी पिछले महीनों में दर्ज की गई 9त्न की औसत बढ़ोतरी से कम थी। घरेलू रेवेन्यू, जो लोकल बिक्री का एक इंडिकेटर है, 2% बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि इंपोर्ट से GST 13% बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये हो गया।

GST रिफंड में साल-दर-साल 39.6% की तेजी से बढ़ोतरी हुई और यह 26,934 करोड़ हो गया, जबकि अक्टूबर 2025 में नेट तस्झ रेवेन्यू 1.69 लाख करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर मामूली 0.2% की बढ़ोतरी है।

रिस्क लेकर जिन्होंने भी इन 5 म्यूचुअल फंड्स में लगाया पैसा हो गए मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में लोग म्यूचुअल फंड में निवेश करके बड़ा फंड बना रहे हैं। लेकिन यहां पर निवेश करने में रिस्क भी है।। क्योंकि म्यूचुअल फंड भी बाजार के अनुसार ही रिटर्न देता है। म्यूचुअल फंड्स आपका पैसा शेयर मार्केट में ही लगाते हैं। लेकिन कहते हैं रिस्क है तो इश्क है। यानी बिना रिस्क के आप बड़े लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकते हैं। बहुत से ऐसे म्यूचुअल फंड है जिन्होंने तगड़ा रिटर्न दिया है और निवेशकों को मालामाल कर दिया। आज हम आपको ऐसे ही 5 म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे जिन्होंने छप्परफाड़ रिटर्न दिया है।

जैसे-जैसे 2025 खत्म हो रहा है, एक इन्वेस्टमेंट ग्रुप अपनी तेज ग्रोथ की वजह से अलग पहचान बना रहा है - हाई-रिस्क म्यूचुअल फंड। ये ऐसे फंड हैं जो मार्केट में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाते हैं और बेहतरीन रिटर्न पाने के लिए अलग-अलग सेक्टर, मार्केट साइज़ या थीम पर फोकस करके दांव लगाते हैं। लेकिन यह रिस्क जो इन रिटर्न को बढ़ाता है, वह शॉर्ट-टर्म में नुकसान भी बढ़ा सकता है।

जैसे-जैसे इन्वेस्टर 2026 के लिए अपनी स्ट्रैटेजी बना रहे हैं, हाई-रिस्क, हाई-रिटर्न फंड्स में दिलचस्पी एक बार फिर बढ़ रही है। क्यों? क्योंकि जब मार्केट एक मज़बूत दौर के बाद स्थिर होता है - जैसा कि हमने 2024 और 2025 के ज्यादातर समय में देखा है।

शेयरहोल्डर्स को मिलेगा फायदा या फिर होगा नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने आखिरकार अपना बड़ा फैसला लागू कर दिया है। कंपनी अब दो अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों में बंट चुकी है। पहली- कमर्शियल व्हीकल्स यूनिट, जिसमें ट्रक, बस और इससे जुड़े निवेश शामिल होंगे। और दूसरी है- पैसेंजर व्हीकल्स यूनिट, जिसमें कारें, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और जगुआर लैंड रोवर से जुड़ा बिजनेस शामिल होगा।

इसे लेकर 4 मार्च 2024 को टाटा मोटर्स के बोर्ड ने घोषणा करते हुए कहा था कि, कंपनी को दो अलग-अलग सूचीबद्ध संस्थाओं में डिमर्ज किया जाएगा। सभी शेयरधारकों की हिस्सेदारी दोनों कंपनियों में बराबर रहेगी।

यह डीमर्जर NCLT स्कीम ऑफ अरेंजमेंट के तहत पूरा किया गया है। और सभी शेयरहोल्डर्स के पास दोनों कंपनियों में समान हिस्सेदारी रहेगी। यानी, जिसके पास आज टाटा मोटर्स का एक शेयर है, उसे नई कमर्शियल व्हीकल कंपनी में भी 1꞉1 अनुपात में एक शेयर मिलेगा। किसी को पैसा नहीं देना होगा और न ही पुराने शेयर सरेंडर करने होंगे।

यानी आसान शब्दों में कहें तो इस कदम से हर बिजनेस अपनी रणनीति, पूंजी और वैल्यू को स्वतंत्र रूप से मैनेज कर सकेगा। 2022 में PV और EV बिजनेस को सब्सिडियरी में बदलने के बाद यह अगला तार्किक कदम है। कंपनी का मानना है कि CV और PV बिजनेस के बीच सीमित तालमेल है, लेकिन PV, EV और JLR के बीच तकनीक, सॉफ्टवेयर और ऑटोनॉमस व्हीकल्स के क्षेत्र में बड़ा तालमेल है, जिसे यह डिमर्जर और मजबूत करेगा।

2025 में 1000% से ज्यादा का रिटर्न देने वाले मल्टीबैगर स्टॉक्स

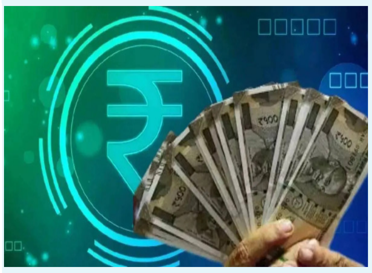

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में निवेश करना हमेशा रिस्क से भरा निवेश माना जाता है। लेकिन यही रिस्क बहुत से लोगों को अरबपति और करोड़पति बना देते हैं। लेकिन यहां निवेश करने से पहले बाजार की बारीकियों को समझना बहुत ही जरूरी है। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के शेयर किसी को फर्श से अर्श तक पहुंचाती हैं तो किसी को अर्श से फर्श तक। इसलिए कोई भी समझदारी से चुने। बेंचमार्क इंडेक्स ने इस साल लगातार बढ़त हासिल की है, असली कमाल तो ब्रॉडर मार्केट में हुआ है। निफ्टी 50 में 2025 में अब तक 8 परसेंट और सेंसेक्स में 7 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन कई स्मॉलकैप शेयरों ने बेंचमार्क को बहुत पीछे छोड़ दिया है, जिससे छोटे इन्वेस्टमेंट भी बड़ी दौलत में बदल गए हैं। आज हम आपको 5 ऐसे स्टॉक्स के बारे में बताएंगे जिन्होंने 1000 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है।

RRP Semiconductor Ltd है, जिसने 5,769 परसेंट का ज़बरदस्त रिटर्न दिया है, जो 2025 में 185.50 रुपये से बढ़कर 10,887.10 रुपये हो गया। शुक्रवार को भी स्टॉक में 2 परसेंट की और बढ़ोतरी हुई। त्त2स्न्ड्ड26 के शेयरहोल्डिंग डेटा के अनुसार, ओनरशिप बहुत ज्यादा कंसंट्रेटेड है, जिसमें सिर्फ 14 रिटेल इन्वेस्टर कंपनी का 93.95 परसेंट कंट्रोल करते हैं।

निवेश के लिए कौन बेहतर और कहां मिलेगा ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में निवेश को लेकर लोगों के पास कई तरह के विकल्प हैं। लेकिन बहुत से लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि आखिर कहां निवेश करना चाहिए। इन्वेस्टर्स अक्सर दुविधा में रहते हैं जब उन्हें एक इन्वेस्टमेंट ऑप्शन के बजाय दूसरा चुनने का फैसला करना होता है। अगर आप ELSS (इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम), PPF (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) और स्नष्ठ (फिक्स्ड डिपॉजिट) में निवेश को लेकर कंफ्यूज हैं तो आज हम आपकी इस कन्फ्यूजन को दूर करेंगे।

ELSS vs PPF vs FD: आपके लिए कौन बेहतर- ELSS: जो लोग नहीं जानते, उनके लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स या ELSS एक तरह का म्यूचुअल फंड है जो सेक्शन 80C (पुराने टैक्स सिस्टम के तहत) के तहत हर साल 1.5 लाख तक की छूट देता है। ये म्यूचुअल फंड इक्विटी में इन्वेस्ट करते हैं और इनका लॉक-इन पीरियड तीन साल का होता है।

सेबी के म्यूचुअल फंड स्कीम के क्लासिफिकेशन के अनुसार, ELSS म्यूचुअल फंड को इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, 2005 के मुताबिक अपनी एसेट्स का कम से कम 80 प्रतिशत स्टॉक में इन्वेस्ट करना होता है।

PPF: वहीं, पब्लिक प्रोविडेंट फंड एक सरकारी सेविंग स्कीम है जो पक्का रिटर्न देती है। PPF पर अभी सालाना 7.1 प्रतिशत का इंटरेस्ट रेट मिल रहा है।

ELSS की तरह ही, PPF में इन्वेस्टमेंट पर भी इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80ष्ट (पुराने टैक्स सिस्टम) के तहत एक साल में 1.50 लाख तक की छूट मिलती है। PPF का लॉक-इन पीरियड 15 साल का होता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट: FD भी बैंकों द्वारा दी जाने वाली इन्वेस्टमेंट स्कीम का एक रूप है जो थोड़ा कम इंटरेस्ट रेट (लगभग 6-6.5 प्रतिशत सालाना) देती है। इनमें कोई टैक्स छूट नहीं मिलती और इनकी कमाई (इंटरेस्ट) टैक्सेबल होती है। अपने अपने हिसाब से लॉक इन पीरियड चुन सकते हैं।

चीन ने भारत समेत दुनिया के मार्केट को दिया बड़ा झटका, Gold Tax पर खत्म की छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेयर अर्थ के बाद चीन ने अब गोल्ड पर भी बड़ा कदम उठा लिया है। बीजिंग ने गोल्ड पर दी जा रही टैक्स छूट खत्म कर दी है, जिससे न सिर्फ चीन बल्कि भारत समेत पूरी दुनिया के सोने के बाजार को झटका लग सकता है। 1 नवंबर से लागू हुए इस नए नियम के तहत अब ज्वेलर्स को शंघाई गोल्ड एक्सचेंज से खरीदे गए सोने की बिक्री पर वैल्यू-ऐडेड टैक्स में कोई छूट नहीं मिलेगी, चाहे वो सोना सीधे बेचा जाए या प्रोसेसिंग के बाद।

सरकार का यह कदम राजस्व बढ़ाने के इरादे से उठाया गया है, क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था इस समय रियल एस्टेट संकट और धीमी ग्रोथ से जूझ रही है। लेकिन इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा, क्योंकि टैक्स बढ़ने से सोना खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा।

हाल ही में दुनिया भर के निवेशकों ने सोने में जबरदस्त खरीदारी की थी, जिससे कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थीं। अब टैक्स छूट खत्म होने से चीन में डिमांड थोड़ी धीमी पड़ने की उम्मीद है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

720 आंगनबाड़ी भवन विहीन, 160 केंद्रों पर शौचालय और 1800 से ज्यादा केंद्रों पर बिजली तक नहीं

मुरैनाः जिले में आंगनबाड़ी भवन मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। 720 आंगनबाड़ी केंद्रों के पास भवन तक नहीं है। इनमें से अधिकांश किराए के छोटे-छोटे कमरों में चल रहे हैं।

वहीं कई आंगनबाड़ी केंद्र पेड़ों के नीचे, मंदिर परिसर या फिर अन्य खुले स्थानों में चल रहे हैं। जिले में 160 आंगनबाड़ी केंद्र ऐसे हैं जिनमें शौचालय तक नहीं।

2607 आंगनबाड़ी केन्द्र चलाए जा रहे हैं-ग्वालियर-चंबल संभाग में श्योपुर के बाद मुरैना जिला ही कुपोषण के लिए संवेदनशील माना जाता है। इसीलिए मुरैना में कुपोषण के खात्मे के लिए 2607 आंगनबाड़ी केन्द्र चलाए जा रहे हैं, लेकिन सुविधाओं के मामले में मुरैना जिले में तो आंगनबाड़ी केन्द्र खुद ही कुपोषित हैं। 2607 आंगनबाड़ियों में से 720 आंगनबाड़ी भवन विहीन हैं, जो किराए के भवनों में चल रही हैं।

सरकार ने बीते साल 60 आंगनबाड़ी भवनों के लिए राशि दी

कैलारस, सबलगढ़, जौरा और पहाड़गढ़ के दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में तो सैकड़ों आंगनबाड़ी पेड़ों के नीचे, मंदिरों के आंगन या अन्य सार्वजनिक स्थलों पर चलते नजर आते हैं। सरकार ने बीते साल 60 आंगनबाड़ी भवनों के लिए राशि दी, इन भवनों का निर्माण चल रहा है। इस साल एक भी भवन के लिए सरकार ने पैसा नहीं दिया। 185 आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय नहीं होने से केवल बच्चे ही नहीं बल्कि कार्यकर्ता व सहायिकाएं भी परेशानी से जूझ रही हैं।

1800 से ज्यादा आंगनबाड़ियों पर बिजली कनेक्शन नहीं-जिले में 1800 से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्र ऐसे हैं, जहां बिजली कनेक्शन ही नहीं है। महिला एवं बाल विकास विभाग हर आंगनबाड़ी का बिजली बिल जमा करता है, लेकिन 2607 में से 1800 से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्र ऐसे हैं, जिनके बिजली बिल ही जमा नहीं किए जाते, क्योंकि इन केंद्रों पर बिजली कनेक्शन ही नहीं है।

कई केंद्रों पर पीएचई ने टंकियां बनाई पर पानी भरने की सुविधा नहीं

गर्मियों में इन केंद्रों पर सन्नाटा रहता है। कई आंगनबाड़ी केंद्रों में पीएचई ने टंकियां बनाई हैं, लेकिन उनमें पानी भरने की सुविधा नहीं है। जिले में 1000 से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्यास बुझाने के लिए हैंडपंप लगे हुए हैं।17 आंगनबाड़ी ऐसी भी हैं जहां पीने का पानी कुओं से खींचना पड़ता है।

लगभग 720 आंगनबाड़ी केंद्र किराए के भवनों में चल रहे हैं, इनके लिए हमने शासन से बजट मांगा है। पिछले सत्र में 60 भवन मिले, उनका निर्माण चल रहा है, अभी हैंडओवर नहीं हुए।

-ओपी पाण्डेय, डीपीओ, महिला एवं बाल विकास विभाग मुरैना

एमपी में SIR का काम जारी... Bhopal में 5 लाख मतदाताओं को मिलेंगे नोटिस, 4 लाख के मिले रक्त संबंध

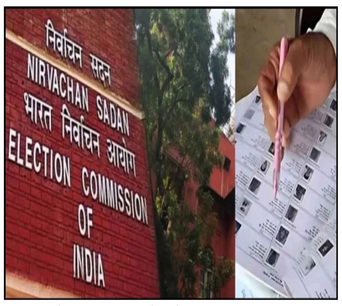

भोपाल। जिले में चार नवंबर से विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र) में गणना पत्रक बांटने का काम शुरु कर दिया जाएगा। जिसके लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने अभ्यास का काम शुरु कर दिया है। जिसके तहत जिले में सात विधानसभा क्षेत्रों में 2029 बीएलओ ने अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं की जानकारी जुटाना भी शुरु कर दिया है।

जिसमें पिछले 22 साल में बढ़े नौ लाख 44 हजार 152 मतदाता के पिता का नाम वर्ष-2003 की सूची में तलाश किया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर करीब चार लाख मतदाता के रक्त संबंध वाले मतदाता भी मिल गए हैं। ऐसे में शेष बचे करीब पांच लाख मतदाता को नोटिस जारी किए जाएंगे, जिन्हें भारत का नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करना पड़ेगा। बीएलओ गणना पत्रक फार्म लेकर जाएगा

उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ और सुपरवाइजर का प्रशिक्षण पूरा करवाने की हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि स्ढ्क्र के तहत प्रत्येक मतदाता के घर पर बीएलओ गणना पत्रक फार्म लेकर जाएगा। जिसे सावधानी से भरना जरूरी है। इस फार्म की जानकारी के आधार पर ही प्रारंभिक प्रकाशन में नाम आएगा। जिन मतदाताओं के गणना पत्रक फार्म नहीं आएंगे, उनके नाम मतदाता सूची से काट दिए जाएंगे।

गोविंदपुरा में चार लाख से ज्यादा मतदाता-वर्तमान में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा चार लाख एक हजार 816 मतदाता हैं।

जबलपुर में अंजुमन इस्लामिया वक्फ बोर्ड के स्कूलों में शुक्रवार की छुट्टी पर मचा बवाल, विरोध पर वापस लिया आदेश

जबलपुर। जबलपुर के मालवीय चौक स्थित अंजुमन इस्लामिया वक्फ बोर्ड के शुक्रवार को छुट्टी के आदेश के बाद से विवाद की स्थिती बन गई थी, जैसे ही आदेश वायरल हुआ प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर ताल तुड़वाकर आदेश वापस लेने के लिए कहा। अंजुमन स्कूल में लगभग 700 बच्चे है। जिसमें से जुमे की नमाज के कारण छात्रों की संख्या उंगलियों पर होती है। ये केवल एक स्कूल का मामला नहीं है, बल्कि वक्फ बोर्ड के चार स्कूल संस्कारधानी में है। जहां शुक्रवार को जुमे के कारण छुट्टी होती है, रविवार को हाफ टाइम स्कूल लगता है। स्कूल की छुट्टी के मामले को लेकर नेताओं ने एंट्री कर ली है।

बच्चों की संख्या कम होने से शुक्रवार को करते है छुट्टी-अंजुमन इस्लामिया बोर्ड के चार स्कूल और एक कालेज है। जिसमें गोहलपुर में एक कालेज, आनंद नगर मे एक स्कूल व मढ़ाताल में दो स्कूल है। शुक्रवार को छुट्टी कई वर्षों से दी जा रही है। जिसकी वजह है कि स्कूल व कालेज में अधिकतर मुस्लिम बच्चे पढ़ते है। शुक्रवार को जुमे की बच्चे जुमे की नमाज पढ़ने चले जाते है। जिससे बच्चों की संख्या कम रहती है। स्कूल में छात्रों की संख्या महज उंगलियों पर होती है।

स्कूल टीचर और सदस्यों ने लिया था निर्णय-शुक्रवार की छुट्टी का बोर्ड अध्यक्ष अन्नू अनवर व टीचर्स की सहमति से लिया है। भाजपा नेता मुज्जमिल अली ने अंजुमन वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पर अरोप लगाया है कि दीपालवी व दशहरा व अन्य हिंदू त्योहार पर जहां अन्य स्कूलों में लगभग आठ-दस की छुट्टी होती है, वहीं अंजुमन इस्लामिया में सिर्फ एक या दो दिन की छुट्टी ही दी जाती है। हिंदू शिक्षक नौकरी जाने के डर से विरोध नहीं पाते है।

बाकी स्कूलों की कराई जाएगी जांच-अंजुमन इस्लामिया स्कूल में शुक्रवार की छुट्टी के नए आदेश की जानकारी मिलते ही, स्कूल में यशावत छुट्टी दिए जाने के निर्देश दिए है। ऐसा कहीं प्रावाधान नहीं है कि शुक्रवार को छुट्टी और रविवार को स्कूल लगाया जाए। अंजुमन इस्लामिया के अन्य स्कूलों में भी अगर इसी तरह की स्थिती है तो जांच कराई जाएगी। व समय बदला जाएगा।

बाकी स्कूलों की तरह खुलेगा-हमने बच्चों की शिक्षा को देखते हुए निर्णय लिया था। अब शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है कि बाकी के स्कूलों की तरह स्कूल खुलेगा। हमने अपना आदेश वापस ले लिया है। बाकी के जो स्कूलों में सालों से जो दिन चला आ रहा है, वह यथावत रहेगा।

- आरएस मरावी, डिप्टी कलेक्टर

कांग्रेस चाहे तो चौथी बार भी कोशिश कर ले... , मल्लिकार्जुन खरगे के बैन वाले बयान पर दत्तात्रेय होसबाले का पलटवार

जबलपुर। कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष के राष्टीय स्वयं सेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने के बयान का जवाब देते हुए दत्तात्रेय होसबोल ने कहा कि खड़गे को पहले के अनुभव से सींख लेनी चाहिए। इससे पहले भी तीन बार संघ को प्रतिबंधित करने का प्रयास हुआ। अब वे चाहें तो फिर प्रयास करके देख लें, लेकिन पहले यह भी बताएं कि आखिर संघ पर बैन लगाने की जरूरत क्यों है? जब प्रतिबंध लगा तो समाज, न्यायपालिका ने क्या कहा। आरएसएस भारत की सुरक्षा संस्कृति के लिए कार्य करने वाला संगठन है। समाज ने संघ को स्वीकार्य किया है। अंतरराष्टीय स्तर पर भारत के अन्य देशों से संबंध पर उन्होंने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता के आधार पर अन्य देशों से बात करेगा।

युवाओं में बढ़ती नशाखोरी को लेकर संघ भी चिंतित-युवाओं में बढ़ती नशाखोरी को लेकर संघ में भी चिंता बनी हुई है। अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में इस विषय पर चर्चा हुई। भारत के नौजवानों में राष्ट्रभक्ति, दुनिया में टक्कर लेने का जज्बा और आत्मविश्वास भरपूर है लेकिन नशा भी एक समस्या है। नशे के कारण नौजवानों के बीच बीमारी आ रही है। विश्वविद्यालयों, कालेज, आइआइटी से लेकर स्कूलों मक में ड्रग्स बिक रही है। इस पर नियंत्रण के लिए कार्य करना होगा। यह बात सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कही। वे कार्यकारी मंडल की बैठक के प्रस्तावों पर जानकारी दे रहे थे। संघ की सोच है कि किसी का शोषण न हो सरकार्यवाह ने बताया कि कुटुम्ब प्रबोधन के जरिए संघ इस विषय पर कार्य कर रहा है। संघ के अनुशांगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और विश्व हिंदू परिषद इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नक्सल गतिविधियों में सुधार की बात कही। उनके अनुसार छत्तसीगढ़, झारखंड में पिछले कुछ दिनों में नसलवाद से कई लोगों ने हथियार सौंपकर समाज की मुख्यधारा से जुड़े हैं। जो नक्सल वाद में गए है वो भी अपने ही समाज के लोग है। संघ की सोच है कि किसी का शोषण न हो। कोई पिछड़े न रहे। जरूरतमंद लोगों के प्रति सरकार संवदेनशील रहे।

मतांतरण रोकने पर चिंतन-सहकार्यवाह ने बताया कि बैठक में मतांतरण पर चर्चा हुई। घर वापसी के साथ धर्म जागरण रोकना है। अभी देखने में आ रहा है कि सिख समाज में मतांतरण की प्रवृत्ति बढ़ी है। पंजाब में इस विषय पर जागृत करना है संघ इस मामले में सक्रिय होकर कार्य करेगा।

जातिगत जनगणना का समर्थन-सरकार्यवाह ने कहा कि जातिगत जनगणना का राजनैतिक दिृष्ट से उपयोग न हो। इससे समाज टूटता है। कुछ जातियां पिछड़ी हुई है। जिनका उत्थान जरूरी है। इसके लिए आंकड़ों की जरूरत होती है ताकि सहीं तरह से इनपावरमेंट संभव हो। इसलिए जातिगत जनगणना आवश्यक है।

बंगाल में हालात खराब-संघ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिस्थित विकट है। बंगाल को लेकर चर्चा हुई। पश्चिम बंगाल देश को नेतृत्व देने वाला हिस्सा है। इसे अस्थिर करना देश के साथ अन्याय करने जैसा है। वहां स्वयं सेवक लगातार कार्य कर रहे हैं। विरोध करने वालो को राजनैतिक आश्रय मिलता है। जनसंख्या असंतुलना को लेकर संघ ने कहा कि घुसपैठ, मतांतरण आदि से जनसंख्या असंतुलन हो रहा है। सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून को शीघ्र लाना चाहिए।

संघ में भाजपा कार्यकर्ता ज्यादा, पर हम सभी के होसबाले ने कहा कि राष्टीय स्वयंसेवक संघ सभी पार्टियों का है, लेकिन यहां यह सच है कि हमारे संघ में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ज्यादा हैं। सरकार किसी भी पार्टी की हो, लेकिन हम अपने विचार सभी के समक्ष रखते हैं। आज सरकार में स्वयं सेवक संघ बैठे हैं, इसलिए हमारे और भाजपा के बीच समन्वय बना हुआ है। आरएसएस का दरवाजा सभी के लिए खुला है, यह भी सच है कि भाजपा में घर के ही लोग हैं।मतदाता सूची पुनरीक्षण जरूरी सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य को लेकर कहा कि मतदाता सूची को परिष्कृत करना ये निर्वाचन आयोग का कार्य है।

इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारम्भ होगा स्वच्छता अभियान 2.0

जिले में ग्रामीण विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में आज इंदौर जिले के ग्रामीण अंचल कि समुचित स्वच्छता व्यवस्था बनाये रखने हेतु मुख्य कार्यपालन आधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा वृहद बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभाग्रह में किया गया। बैठक में श्री जैन द्वारा इंदौर ग्रामीण क्षेत्रो में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान 2.0 प्रारम्भ करने हेतु सर्व सम्बन्धित पंचायतों के प्रतिनिधि व कर्मियों को विस्तार से अवगत कराया गया।

बैठक में इंदौर शहर से लगी हुई व प्रमुख राजमार्गो के समीप कि कुल 32 पंचायतें अभियान के प्रारम्भिक चरण में चयनित कि गयी है। बैठक में जिला पंचायत सभाग्रह में सम्बन्धित पंचायतों के सरपंच, सचिव, उपयंत्री सहित अन्य जिला व जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए। अभियान के दौरान आगामी 1 माह में इन पंचायतों में कचरा निपटान की आदर्श व्यवस्था बनाये जाने, नियमित कचरा संग्रहन वाहन संचालन की व्यवस्था, सेग्रीगेशन शेड की तत्काल व्यवस्था किये जाने हेतु सभी को उन्मुखीकरण कर आवश्यक निर्देश दिए गये। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा पंचायत वार समीक्षा कर वर्तमान में उपलब्ध संसाधनों का आंकलन किया गया तथा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त संसाधनों की प्रतिपूर्ति के निर्देश सम्बन्धित पंचायतों व सीईओ जनपद पंचायतों को दिए गये। अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार सहित समाज के हर वर्ग, जनप्रतिनिधियों, स्व सहायता समूह आदि को समाहित कर अभियान को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि अभियान के निरंतर अनुश्रवण हेतु जिला स्तरीय दल भी गठित किये गये है जो प्रतिदिन आवंटित पंचायतों में कचरा प्रबंधन व्यवस्था का अनुश्रवण कर कार्य को सुनिश्चित करेंगे। अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, इस हेतु सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया। साथ ही अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत करने हेतु भी सम्बन्धितों को अवगत कराया गया।

बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं शासकीय अभियानों के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गयी। सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन ने ग्रामों को आत्मनिर्भर ऊर्जा संपन्न बनाए जाने के उद्देश्य से नवकरणीय उर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर आवश्यक सर्वे व चयनित ग्रामों में शिविर आयोजन कर ग्रामीणों को सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक कर तत्काल जानकारी एकत्रित कर सौर ऊर्जा संपन्न ग्राम बनाए जाने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के प्रावधानों से समस्त विभागीय अधिकारियों को अवगत करते हुए आगामी एक माह में जिले के चयनित ग्रामों का 5 वर्ष की विस्तृत कार्ययोजना बनाये जाने हेतु सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में वित्त वर्ष समाप्ति तक सभी पंचायतों में आदर्श मोक्ष धाम निर्मित किये जाने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने हेतु सभी जनपदों को निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त योजनाओं में लंबित श्र-द्म४ष कार्य को भी समय सीमा में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में एक बगिया माँ के नाम योजना अंतर्गत वर्तमान तक की प्रगति हेतु विस्तार से समीक्षा कर मुख्य कार्यपालन आधिकारी द्वारा समय सीमा में योजना अंतर्गत निहित प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने हेतु सर्व सम्बन्धितों को निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री संजय तिवारी, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिक सेवा श्री संजय सोलंकी, समस्त जनपद पंचायत सीईओ, सहायक यंत्री एवं जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी व विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट इन्दौर में केक मिक्सिंग सेरेमनी का हुआ आयोजन

इंदौर। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट इन्दौर में विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी शुक्रवार को कॉलेज परिसर में केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान की शिक्षिका सुश्री अवनी पाटिल और उनकी पूरी टीम ने क्रिसमस थीम में बड़े ही आकर्षक आकृतियों के साथ सजाया गया। यह कार्यक्रम क्रिसमस उत्सव की पूर्व तैयारी का सूचक है। जिसमें सूखे मेवे (काजू, बादाम, गुलकंद, चारोली, दालचीनी, किशमिश, काले सूखे अंगूर सूखे खजूर आदि के मिश्रण के साथ अल्कोहल को मिलाकर कुछ दिनों तक बेक किया जाकर एक विशिष्ट केक बनाया जाता है।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने कहा कि केक मिक्सिंग सेरेमनी केवल केक की सामग्री तैयार करने का ही नहीं, बल्कि प्रेम एवं गर्मजोशी के साथ क्रिसमस की भावना का उत्सव मनाने का अवसर भी है। लोग मिलकर खुशियां बांटते हैं और एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं, जिससे यह उत्सव और भी खास बन जाता है। समारोह में हिस्सा लेना पारिवारिक और सामुदायिक सदभाव की विरासत को जारी रखना है, क्योंकि हफ्तों तक भीगे रहने के बाद बेक किया गया अंतिम केक धैर्य, टीमवर्क और त्यौहारों की खुशी का प्रतीक होता है।

अवैध मदिरा परिवहन पर इंदौर आबकारी की बड़ी कार्रवाई- पांच वाहनों सहित लगभग 3.70 लाख रुपए की सामग्री बरामद

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश और सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के प्रभावी मार्गदर्शन में इंदौर आबकारी विभाग ने अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में आबकारी की टीमों ने दिनांक 29-30 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों पर बड़ी और सफल कार्रवाई को अंजाम दिया।

इन प्रभावी कार्रवाइयों में आबकारी विभाग की टीमों ने पांच दोपहिया वाहनों का उपयोग करके अवैध रूप से मदिरा का परिवहन कर रहे 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)क के तहत कुल 05 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

वृत्त आंतरिक 01 की कार्यवाही- श्री आशीष जैन की टीम के द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही में एक दोपहिया वाहन से अवैध परिवहन कर ले जाई जा रही विदेशी मदिरा व्हिस्की बरामद की गई। मदिरा वाहन सहित जप्त कर आरोपी सागर पिता राजेश के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मदिरा व वाहन का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 80000/- रुपए है। इस कार्यवाही में आबकारी आरक्षक मुकेश रावत, वीरेंद्र पटेल, विपुल खरे एवं नर्मदा अलावा का सराहनीय योगदान रहा ।

वृत्त - पलासिया प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया की टीम के द्वारा कार्यवाही में एक दोपहिया वाहन से अवैध परिवहन कर ले जाई जा रही 100 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद की गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी थीम पर आयोजित हुई दौड़

इंदौर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ÷रन फॉर यूनिटी÷ थीम पर एकता और अखंडता की दौड़ आयोजित की गई। यह दौड़ आज शुक्रवार सुबह नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर जीपीओ चौराहा, छावनी चौराहा, सरदार वल्लभभाई पटेल प्रतिमा (छोटी ग्वालटोली), मधुमिलन चौराहा, शिवाजी वाटिका चौराहा, एसबीआई बैंक टी एवं पुनः नेहरू स्टेडियम पर समाप्त हुई। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों से प्रेरित होकर देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश देने हेतु इस आयोजन में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संकल्प लिया गया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इंदौर में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के लिये जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट को मुख्य अतिथि नियुक्त किया गया था।

निमाड़ के किसानों के एफपीओ की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सराहना से प्रेरित होकर रसायन मुक्त खेती की ओर अग्रसर

इंदौर। निमाड़ की गहरी जमीन से फसलों को सींचने वाले किसान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सराहना के बाद अब रसायन मुक्त खेती की ओर अग्रसर होने लगें है। ये नाबार्ड द्वारा रचे गए किसान प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन से जुड़े 750 शेयर धारक और करीब 3000 हजार सक्रिय किसान है। इन्होंने मिलकर एक साझा निर्णय कर लिया है कि अब मिट्टी में किसी तरह का रासायनिक खाद का इस्तेमाल नही करेंगे साथ ही वर्षा के जल को जमीन में सहेजने में भी भूमिका निभाएंगे। ज्ञात हो कि 11 अक्टूबर को खरगोन का निमाडफ्रेश एफपीओ दिल्ली में पूसा कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुलाकात में पीएम श्री मोदी ने सराहना करने के साथ ही आज खेती करने के सलीके बारे में बताया था। उसके बाद एफपीओ के डायरेक्टर बालकृष्ण पाटीदार ने अपने एफपीओ के किसानों को इसके लिए प्रतिबद्ध किया। डायरेक्टर श्री पाटीदार ने बताया कि पीएम श्री मोदी से मिलने के बाद एफपीओ ने अपनी दिशा बदली है, अब नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य पर भी चिंतित होकर प्रतिबद्ध हुए है।

निमाडफ्रेश निमाड़ के मसाले बनाने की ओर बढ़ते कदम- इस एफपीओ ने वर्ष 2022-23 में पहली बार यूरोप में हरी मिर्च की खेंप भेजी थी। इसके बाद से मिर्च उत्पादक किसानों ने वैल्यू एडिशन करने का निर्णय लिया और अब मिर्च धनिया और हल्दी के प्रोडक्ट बनाकर 2023-24 में 73 लाख रुपये का टर्न ओवर प्राप्त किया। 2024-25 में अफपीसी ने काबुली चना ग्रेडिंग व क्लीनिंग यूनिट प्रारम्भ की। एफपीओ ने किसानों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाई और अब सीधी खरीद बिक्री की सुविधा उपलब्ध कराई। एफपीसी ने नाबार्ड और एसबीआई के सहयोग से 12 करोड़ रुपये का टर्न ओवर किया। एफपीओ ने निर्णय करने के बाद खरगोन कलेक्टर और कृषि विभाग से मिलकर इस नई रूपरेखा पर चर्चा कर मार्गदर्शन भी लिया।

एक हजार से ज्यादा एंकरिंग प्रोग्राम कर चुके है सिंगर, कवि और शायर गोविंद दुबे

इंदौर। शासकीय सेवा छोड़ कला और कलाकारों के अपना पूरा समय देने वाले एंकर, सिंगर, कवि और शायर गोविंद दुबे इंदौर शहर में एक जाना पहचाना नाम है। इनका माधुर्य व्यवहार खासा लोकप्रिय है। अखंड संडे की नियमित काव्य गोष्ठी की एंकरिंग से शुरुआत होकर म्यूज़िकल प्रोग्राम की एंकरिंग तक इनका सफ़र दस वर्षों का हो चला है।

ये अब तक एक हजार से ज्यादा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एंकरिंग कर चुके है। कला और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए दुबे जी का समर्पण जग जाहिर है। सिंगर फैमिली को ये अपना परिवार ही समझते है। इंदौर के अभिनव कला समाज, साहित्य समिति, मोघे हॉल, प्रेस क्लब व अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों, स्थलों तथा सार्वजनिक हॉल में संपूर्ण माह के 15 से 20 एंकरिंग प्रोग्राम गोविंद दुबे जी के हर महीने हो रहे है।

म्यूजिकल प्रोग्राम करने वाले प्रसिद्ध आयोजक अर्चना जायसवाल, लक्ष्मी बरेठा, निर्मला परमार, मीनाक्षी रिजवानी, कविता यादव, रुपेश जोशी, पायल सोलंकी, सोनू डॉलर, वीरजी चौहान, चन्द्रशेखर परिहार जी, महेन्द्र त्रिवेदी जी, आसीफ भाई, अशरफ अली भाई, अशोक रघुवंशी जी, सर्वाधिक कार्यक्रम गोपाल पांचाल (दादामुनी), अनिल भवालकर, नीमा काकाजी, कृष्णा वर्मा, यशवंत जी, सुनीता जाटवा, जितेंद्र शिवहरे आदि की अपने निजी प्रोग्राम की एंकरिंग हेतु पहली पसंद एंकर गोविंद दुबे ही होते है। अनेक सिंगर्स व कवियों को मंच देने वाले गोविंद दुबे को जी एंड जे म्यूजिकल ग्रुप इंदौर इनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

देव दिवाली पर्व पर उज्जैन को मिली एक और सौगात

उज्जैन एयरपोर्ट के विस्तार के लिए हुआ एम ओ यू साइन

उज्जैन । मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' कार्यक्रम के दौरान आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उज्जैन एयरपोर्ट के विकास के लिए मध्यप्रदेश शासन के विमानन विभाग एवं एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (द्ध) के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (रूश) पर हस्ताक्षर किए गए।एमओयू ,मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि यह समझौता उज्जैन को हवाई संपर्क से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल उज्जैन, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र को नए औद्योगिक, पर्यटन और आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि भारत सरकार का लक्ष्य देश के प्रत्येक प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन केंद्र को हवाई संपर्क से जोड़ना है, और उज्जैन एयरपोर्ट का विकास उसी दिशा में एक सशक्त पहल है।

इस समझौते पर मध्यप्रदेश शासन की ओर से अतिरिक्त मुख्य सचिव, विमानन विभाग श्री संजय कुमार शुक्ला तथा एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से अध्यक्ष श्री विपिन कुमार, आईएएस ने हस्ताक्षर किए।

इस एमओयू का उद्देश्य उज्जैन एयरपोर्ट को ञ्क्र72 श्रेणी के विमानों के संचालन के लिए विकसित करना तथा भविष्य में -320/321 श्रेणी के बड़े विमानों के संचालन की संभावनाओं को साकार करना है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन के निकट स्थित दताना हवाई पट्टी को हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जाएगा। उज्जैन एयरपोर्ट ञ्क्र72 विमानों के लिए ढ्ढस्नक्र कंडीशन्स (जिसका आशय है कि रात में भी उड़ान भरी जा सकती है) में संचालन हेतु विकसित किया जाएगा । इस कार्य के लिए 241 एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी जो की मध्य प्रदेश शासन AAI को निःशुल्क उपलब्ध कराएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा एयरपोर्ट का विकास कार्य शीघ्र आरम्भ किया जाएगा ।

उज्जैन एयरपोर्ट विकसित होने से पश्चिमी मध्य प्रदेश में पर्यटन एवं व्यावसायिक क्षेत्र में नवीन अवसर सृजित होंगे तथा आर्थिक गतिविधियां को बल मिलेगा। उज्जैन सीधे देश विदेश से हवाई मार्ग से जुड़ सकेगा ।

हमें अपने प्रदेश पर गर्व है-डॉ कल्पना सिंह

माधव कॉलेज में म.प्र. स्थापना दिवस के चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

उज्जैन। हमारा प्रदेश खनिज संपदा, वन संपदा और संस्कृति सम्पदा की दृष्टि से बहुत समृद्ध है। उज्जैन का सोयाबीन और सीहोर का गेहूं बहुत प्रसिद्ध है। प्रदेश में उज्जैन में धार्मिक पर्यटन का तेज़ गति से विकास हो रहा है। प्रदेश के विकास में उज्जैन भी अपनी भूमिका निभा रहा है। हमें अपने प्रदेश पर गर्व की अनुभूति होती है। स्थापना के बाद से ही इसे स्वर्णिम बनाने के लिए यहां के लोगों ने बहुत सारे कार्य किए हैं। इस गति को आगे भी बनाए रखना है। आज हम प्रदेश के विकास के लिए संकल्प लेते हैं।

ये उद्गार माधव कॉलेज में राज्य स्थापना दिवस के चार दिवसीय समारोह का शुभारंभ करते हुए मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह ने व्यक्त किए। इस सप्ताह में माधव महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जफर महमूद ने किया। इस अवसर पर डॉ अल्पना उपाध्याय, डॉ आयशा सिद्दीकी, डॉ बी एस अखण्ड, डॉ एल एस गोरसिया, एन सी सी अधिकारी डॉ मोहन निमोले, एनएसएस अधिकारीद्वय डॉ नीरज सारवान, प्रो राधेश्याम भील और स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहे।

संत कंवरराम स्मरण समिति ने मनाया संतश्री का शहीदी दिवस

उज्जैन। संत कंवरराम स्मरण समिति द्वारा संतश्री का शहीदी दिवस मनाया गया।

समिति प्रमुख सुनील नवलानी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत संतश्री के चरणों में पुष्प अर्पित कर हुई। संतश्री के जीवन पर प्रकाश समाज के वरिष्ठ अरुण रोचवानी ने डाला। इस अवसर पर अशोक बजाज, राजेश कृष्णानी, सुनील मखीजा, नवीन चौधरी, इंजीनियर गंगवाल, शोभा शर्मा, दीपा खत्री, कामना भाभी, सोनम दीदी, विमला दीदी, मीना दीदी, भारतीय रोचवानी आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे। आभार राजेश असवानी ने माना।

सेवानिवृत्ति पर अभिनंदन किया

उज्जैन। परस्पर सहकारी बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री एस.एन.सोमानी तथा निम्नश्रेणीलिपिक के पद से श्री श्यामराव शिशुलकर की सेवानिवृत्ति पर होटल सुराना में उनका साफा बांधकर, मोटीपुष्पमाला, पुष्पमाला,पुष्पगुच्छ, सरोपा तथा शाल,श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर अभिनंदन कर बिदाई दी । कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक अध्यक्ष श्री अनिलसिंह चंदेल जी ने की, कार्यक्रम का संचालन बैंक उपाध्यक्ष- ठाकुर हरदयालसिंह एडवोकेट ने किया,अभिनंदन पत्र का वाचन बैंक प्रबंधक-सुश्री शिरोमणि नवल तथा राजीव शर्मा ने किया । इस अवसर पर बैंक उपाध्यक्ष एस.एन.शर्मा,संचालक- श्रीमती गीता रामी,पुरुषोत्तम मिस्त्री, डॉ.अजयशंकर जोशी,मोतीलाल निर्मल ,आशीष उपाध्याय,राजेश गुप्ता,श्रीराम सांखला तथा बैंक प्रतिनिधि-हिमांशु जोशी,घनश्याम सक्सेनाएवं अभिषेकसिंह बैस सहित बड़ी संख्या में बैंक परिवार उपस्थित था । आभार-बैंक प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक श्री पंकज कवठेकर ने माना।

साहस, स्वाभिमान एवं दृढ़शक्ति - कार्यकुशलता के धनी लौहपुरूष सरदार बने - श्री अरोरा

सरदार वल्लभ भाई पटेल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर हुई संगोष्ठी

उज्जैन। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा भारतीय ज्ञानपीठ माधवनगर में भारत के पूर्व गृहमंत्री भारतरत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर सरदार वल्लभ भाई पटेल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता लेखक, व्यंग्यकार डॉ. पिलकेन्द्र अरोरा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना का धन्यवाद साधुवाद देता हूं कि उन्होने सरदार वल्लभ भाई पटेल जिसके लिए आपने भारतीय ज्ञानपीठ से अच्छा कोई स्थान नहीं है, सरदार पटेलजी के पावन स्मृति को प्रणाम करता हूं। वल्लभ का अर्थ कृष्ण अर्थात् जिससे सब प्रेम करे, जो सबके आकर्षण का केन्द्र है। जब महात्मा गांधी का निधन हुआ उससे 2 माह बाद ही सरदार पटेल जी को पहला हार्ट अटेक आया था। वे दृढ़निश्चयी अपने इरादो में दृढ़ थे, उनके इसी साहस, स्वाभिमान दृढ़ कार्यकुशलता के कारण ही उनको लौहपुरूष कहा गया। आंदोलन में सफलता के दौरान महिलाओं द्वारा उन्हें सरदार शब्द से सम्बोधित किया था। तभी से पूरा देश सरदार पटेल बोलता आया है।

मुख्य अतिथि म.प्र. लेखक संघ जिलाध्यक्ष डॉ. हरिमोहन बुधौलिया ने उपस्थित श्रोताओं को लाख-सवा लाख से भी मूल्यवान बताया। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है इसमें डॉ. प्रभु चौधरी के अथक परिश्रम का परिणाम बताया। सरदार वल्लभ भाई पटेल के अमूल्य चित्रों की प्रदर्शनी जिसमें उनके बचपन से लेकर आखिरी समय तक का चित्रण किया है इस प्रदर्शनी को 7 दिवस तक दर्शनीय रखना चाहिए। आपने कहा कि सब कुछ पूर्व निश्चित है। सरदार पटेल जी को आज उनकी गुणवत्ता के कारण याद किया जा रहा है।

समारोह के संयोजक डॉ. प्रभु चौधरी ने अपनी प्रस्तावना में बताया कि एकता दिवस पर देश की एकता एवं अखंडता के लिए सरदार पटेल के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा हम सब लोग एकता समरसता के लिए एकत्रित होकर राष्ट्र को आगे बढ़ाएं। सरदार पटेल ने निडरता के साथ वह सभी काम किया जो आवश्यक थे भारत की आन बान और शान से राष्ट्र के सपूत पटेल देश के हित में अनेक महान कार्य किये है ऐसे महान व्यक्ति का देश सदैव ऋणी रहेगा।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार अरविन्द जैन ने कहा कि हमारा देश 531 रियासतों का देश पूर्व में था। इस महापुरूष ने भारत को बचा लिया। दंगे नहीं होते तो पूरा पाकिस्तान हमारा होता। सरदार पटेल ने कहा था कि अगर विभाजन हो रहा है तो देश की जनसंख्या का भी बंटवारा होना चाहिये। जो जिस मजहब को पालने वाले उसी देश के नागरिक रहे। विनम्र शब्दों में सरदार पटेल और उनके प्रशंसको, अनुयायियों को नमन करता हूं।

राष्ट्रीय संरक्षक समारोह अध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल की भूमिका सबको एक करने की थी। पटेल जी ने एकता का काम किया। अगर देश की आजादी के पहले अगर वह जिद पर अड़ जाते तो एक धब्बा लग जाता।

राष्ट्रीय कुर्मी पुरोहित प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

उज्जैन। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय चेतना मंच के तत्वाधान में उज्जैन कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पुरोहित प्रशिक्षण 2025 का शुभारंभ राष्ट्रीय संरक्षक एल.पी. पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं कुर्मी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व राज्य मंत्री राम खेलावन पटेल की अध्यक्षता में हुआ।

चिंतामन रोड पर श्रीराम वाटिका पाटीदार धर्मशाला पर प्रारंभ हुए कुर्मी क्षत्रिय समाज के पुरोहित पंडित प्रशिक्षण में शिविर के राष्ट्रीय संयोजक डॉ हेमंत कौशिक, प्रभारी बी आर कौशिक, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष इंद्रभान पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम पटेल, महासचिव जी.एल. पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष पत्रकार गणेश चौधरी, कमल किशोर गौर, महेंद्र कटियार, संभाग अध्यक्ष महेश पटेल, उज्जैन शहर अध्यक्ष जितेंद्र कटियार, कोषाध्यक्ष अजीत कटिहार, राधेश्याम वर्मा, कुंज बिहारी देवास, श्री कौशिक बिहार मौजूद रहे। समाज का पहला प्रयास है कि प्रशिक्षण में हिस्सा लेने वाले समाजजनों को पंडित पुरोहित के रूप में प्रशिक्षित किया जाए ताकि समाज में हवन पूजन करने का कार्यक्रम कुर्मी समाज के लोग ही करें। समाज के ब्याह शादी का कार्यक्रम भी इनके माध्यम से हो। उज्जैन में प्रशिक्षण का आठवां स्थान है। इसके पहले जबलपुर, भोपाल, होशंगाबाद सहित कई जगह पर यह प्रशिक्षण हो चुका है। संचालन महेंद्र कटियार ने किया एवं आभार दीपेश पाटीदार पटेल और प्रभु पाटीदार ने माना।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com